UNIVERSITY OF RAJASTHAN
JAIPUR

SYLLABUS

M.A. Rajasthani Language, Literature & Culture

Semester Scheme

II[nd] Semester Exam June	2017

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

MA Rajasthani Langg and Litrature – IInd Semester
2016 – 2017

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के लिये चार सेमेस्टर परीक्षाओं के अन्तर्गत कुल 24 प्रश्नपत्र होंगे। प्रथम सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र (तीन अनिवार्य एवं तीन वैकल्पिक प्रश्नपत्र) होंगे।

प्रश्नपत्रों के उत्तर का माध्यम परीक्षार्थी के विकल्प के अनुसार राजस्थानी या हिन्दी या अंग्रेजी होगा।

प्रत्येक प्रश्नपत्र तीन घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा, इस प्रकार चार सेमेस्टर परीक्षाओं के अन्तर्गत होने वाले 24 प्रश्नपत्र कुल 144 क्रेडिट के होंगे एवं परीक्षार्थी के लिए 120 क्रेडिट हासिल करना अनिवार्य होगा।

प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

एम.ए. राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति की उपाधि के लिये प्रथम सेमेस्टर परीक्षा की प्रश्नपत्र योजना एवं पाठ्यक्रम विवरण निम्नलिखित है :–

Dy. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा

द्वितीय सेमेस्टर में छः प्रश्नपत्र होंगे। इनमें से तीन अनिवार्य प्रश्नपत्र (CCC) होंगे तथा तीन विकल्पात्मक प्रश्नपत्र (ECC) होंगे। प्रत्येक प्रश्नपत्र 6 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 3 घंटे की अवधि का एवं अधिकतम 100 अंकों का होगा।

S. No.	Paper	Subject Code	Course Tilte	Course Category	Credit
1.	Paper I	RAJ 801	प्राचीन राजस्थानी साहित्य	CCC	6
2.	Paper II	RAJ 802	मध्यकालीन राजस्थान (1200–1761 ईस्वी)	CCC	6
3.	Paper III	RAJ 803	राजस्थान के धार्मिक विश्वास एवं परम्पराएँ	CCC	6
4.	Paper IV, V & VI (any three)	RAJ B 01	राजस्थान की लोक परम्पराएँ एवं संस्कृति	ECC	6
5.		RAJ B 02	चारण साहित्य	ECC	6
6.		RAJ B 03	राजस्थान के जनजातीय आंदोलन	ECC	6
7.		RAJ B 04	राजस्थान का जैन साहित्य	ECC	6

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम.ए. : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति
एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा

अनिवार्य

प्रश्नपत्र I : RAJ 801 प्राचीन राजस्थानी साहित्य
Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

ढोला मारू रा दूहा : सम्पादक – रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी। (प्रथम 50 छंद)

इकाई – द्वितीय

अचलदास खींची री वचनिका : सं. भूपतिराम साकरिया। (प्रारम्भ से दूहा "हइवर गइवर..... .....गंजणहार" तक वात सहित)

इकाई – तृतीय

बीसलदेव रासो – सं. माता प्रसाद गुप्त, (छंद संख्या 51 से 100 तक)

पाठ्य–पुस्तकें :

1. रामसिंह, सूर्यकरण पारीक और नरोतमदास स्वामी (सम्पा.) : ढोला मारू रा दूहा, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
2. अचलदास खींची री वचनिका : सं. भूपतिराम साकरिया, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
3. बीसलदेव रासो – सं. डॉ. माताप्रसाद गुप्त, श्री अगरचंद नाहटा, हिन्दी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

सन्दर्भ ग्रंथ :

1. डॉ. शान्ता भानावत : ढोला मारू रा दूहा का अर्थ और वैज्ञानिक अध्ययन, अनुपम प्रकाशन, जयपुर
2. डॉ. भगवतीलाल शर्मा : ढोला मारू रा दूहा में काव्य, संस्कृति और इतिहास
3. अगरचन्द नाहटा : प्राचीन काव्यों की रूप--परम्परा, भारतीय विद्या मन्दिर, शोध प्रतिष्ठान, बीकानेर
4. मुकुन्दनारायण पुरोहित – वचनिका अचलदास खींची री (अन्वेषण एवं मूल्यांकन), राजस्थान एज्युकेशनल स्टोर, बीकानेर
5. डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी : मीरा का काव्य।

(4)

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र II : RAJ 802 मध्यकालीन राजस्थान (1200–1761 ईस्वी)

Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

तेरहवीं शताब्दी की राजनीतिक स्थितियाँ। तुर्क शासन की स्थापना एवं प्रतिरोध (मेवाड़, रणथंभौर, चित्तौड़, जालोर)। राजस्थान का उत्कर्ष काल – महाराणा कुंभा एवं सांगा।

इकाई – द्वितीय

मुगल राजपूत सम्बन्ध (प्रतिरोध एवं सहयोग)। मेवाड़ का स्वातंत्र्य संघर्ष (महाराणा प्रताप)। मुगल आधिपत्य काल में राजपूत शासकों की उपलब्धियाँ (मारवाड़ आम्बेर, हाड़ौती)। मुगल साम्राज्य की शिथिलता एवं राजपूत राज्यों का मुगल प्रभाव से मुक्त होना।

इकाई – तृतीय

राजपूताना में मराठों के आक्रमण। सवाई जयसिंह की मराठा नीति। राजपूत कालीन प्रशासन, जागीरदारी एवं सामंत प्रथा। आर्थिक जीवन--कृषि, व्यापार--वाणिज्य। सामाजिक जीवन--स्त्रियों की स्थिति। शिक्षा की स्थिति।

संदर्भ ग्रंथ :

1. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का इतिहास, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।
2. गौरीशंकर हीराचन्द ओझाः राजपूताने का इतिहास (सभी खण्ड, सम्बद्ध अंश)
3. हरबिलास शारदा : महाराणा कुंभा।
4. वीरेन्द्र स्वरूप भटनागर : सवाई जयसिंह, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
5. गोपीनाथ शर्मा : सोश्यल लाईफ इन मेडिवल राजस्थान, जोधपुर।
6. आर.पी. व्यास : महाराणा प्रताप, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र III : RAJ 803 राजस्थान के धार्मिक विश्वास एवं परम्पराएँ
Course Category : CCC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान में शैव एवं वैष्णव सप्रंदायों का विकास। बौद्ध धर्म के अवशेष। जैन धर्म का विस्तार एवं प्रभाव। राजस्थान में अन्य संप्रदाय – नाथ संप्रदाय, शाक्त, सौर, लकुलीश।

इकाई – द्वितीय

भक्ति परम्परा। विभिन्न संत – मीरा, दादू, जांभोजी, चरणदास। अन्य संत संप्रदाय। इस्लाम धर्म। सूफी परम्परा। ईसाई धर्म।

इकाई – तृतीय

लोक देवी–देवता। लोक देवता – गोगाजी, तेजाजी, पाबूजी, देवनारायण जी, मल्लीनाथजी, रामदेवजी, हड़बुजी, मांगलिया मेहाजी। लोक देवियाँ – जमवाय माता, बाण माता, आवड़ माता, करणी माता, जीण माता, शीतला माता, आई माता आदि।

संदर्भ ग्रंथ :

1. दिनेश चन्द्र शुक्ल : राजस्थान की भक्ति परम्परा एवं संस्कृति।
2. डॉ. पेमाराम : मध्यकालीन राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, अर्चना प्रकाशन, अजमेर।
3. राम प्रसाद दाधीच : राजस्थान सन्त सम्प्रदाय।
4. हीरालाल माहेश्वरी : संत जाम्भोजी।
5. एस.एन. दुबे (सं.) : रिलिजियस मूवमेंट्स इन राजस्थान, राजस्थान अध्ययन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।
6. डी.सी. शुक्ला : सिपिरिच्युअल हेरिटेज ऑफ राजस्थान।
7. जी.एन. शर्मा : सोश्यल लाइफ इन मेडिवल राजस्थान।

प्रश्नपत्र IV, V, VI & VII

वैकल्पिक

प्रश्नपत्र IV : RAJ B01 राजस्थान की लोक परम्पराएँ एवं संस्कृति

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान का लोक संगीत। लोक वाद्य। लोक गायन शैली – ख्याल, हेला ख्याल, कन्हैया, पदगायन, चारबैत, मांड गायन, स्वांग। लोक नृत्य।

इकाई – द्वितीय

राजस्थान की हस्तकलाएँ। स्थानीय उद्योग – मूर्ति निर्माण, वस्त्र उद्योग – कोटा डोरिया, बंधेज, बगरू प्रिंट, सांगानेरी प्रिंट, रत्नाभूषण उद्योग – थेवा कला, कुंदन, जड़ाई। मारवाड़ी समाज एवं शेखावाटी अंचल की उद्यमिता।

इकाई – तृतीय

वेशभूषा। आभूषण। गोरबंद, उत्सव, त्यौहार एवं मेले, जन्म, विवाह, मृत्यु से संबंधित।

संदर्भ ग्रंथ :

1. जयसिंह नीरज एवं भगवती लाल शर्मा (सं.) : राजस्थान की सांस्कृतिक परम्परा, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर।
2. गोपीनाथ शर्मा : राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास, राजस्थान साहित्य अकादमी, जयपुर।
3. महेन्द्र सिंह नगर : राजस्थान के व्रत एवं उत्सव।
4. मंजुश्री क्षीरसागर : राजस्थान की संगीत परम्परा, महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाशन, जोधपुर।
5. रमेश बोराणा : राजस्थान के लोक वाद्य।
6. कमलेश माथुर : हस्तशिल्प कला के विविध आयाम, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
7. लक्ष्मीकुमारी चूण्डावत : राजस्थान के सांस्कृतिक लोकगीत।
8. लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत एवं रमेश चन्द्र स्वर्णकार : राजस्थान के रीति–रिवाज, पब्लिकेशन स्कीम, जयपुर।
9. प्रीतिप्रभा गोयल : राजस्थान के व्रत एवं त्यौहार।
10. रामप्रसाद दाधीच : लोक संस्कृति व अन्य निबन्ध।
11. डी.के. टकनेत: इंडस्ट्रियल एन्ट्रिप्रेन्युअरशिप ऑफ शेखावटी मारवाड़ीज, जयपुर।
12. कमलेश माथुर : पारम्परिक कला एवं लोक संस्कृति, साहित्यगार, जयपुर

Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र V : RAJ B02 चारण साहित्य
Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूतरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

चारण शैली – अर्थ, आरम्भ, प्रमुख ग्रन्थ, प्रमुख रचनाकार, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, भाषा।

इकाई – द्वितीय

वीरवांण – बादर ढाढ़ी (प्रारम्भिक 25 छंद)।

इकाई – तृतीय

बांकीदास ग्रंथावली – बांकीदास, सं. चन्द्रमौलिसिंह, वीर विनोद के प्रारंभिक 20 छंद एवं स्फुट संग्रह से प्रारंभिक तीन गीत।

पाठ्य पुस्तकें :

1. वीरवांण, बादर ढाढ़ी, सं. भूरसिंह राठौड़, राजस्थानी ग्रन्थगार, जोधपुर
2. बांकीदास ग्रंथावली, सं. चन्द्रमौलिसिंह, इंडियन सोसायटी फार एजुकेशनल इनोवेशन, जयपुर

संदर्भ ग्रंथ :

1. चारण साहित्य का इतिहास, मोहनलाल जिज्ञासु, जैन ब्रदर्स, रातनाडा, जोधपुर
2. चारण दिग्दर्शन, शंकर सिंह आशिया, श्री बुधजी साहित्य सदन, बाड़मेर
3. चारण साहित्य में भक्ति, डॉ. (श्रीमती) पुष्पलता शर्मा, भारत भारती, दिल्ली
4. चारण साहित्य परम्परा (Essays on Bardic Literature) , सं. डॉ. श्यामसिंह रत्नावत, राज. अध्ययन केन्द्र, रा.वि.वि., जयपुर

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

प्रश्नपत्र VI : RAJ B03 राजस्थान में जनजातीय आंदोलन
Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे. प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान के जनजातीय समाज एवं संस्कृति – रीति रिवाज, खान–पान, पहनावा, लोकविश्वास, धार्मिक विश्वास, भाषा एवं बोलियां, वाचिक परम्पराएँ

इकाई – द्वितीय

राजस्थान के जनजातीय समाज मे चेतना का विकास – सामाजिक चेतना, आर्थिक चेतना, धार्मिक चेतना. राजनीतिक चेतना, जनजातीय चेतना के विकास में राज्य की भूमिका।

इकाई – तृतीय

19वीं सदी के प्रमुख जनजातीय प्रतिरोध – मेर, भील, मीणा। प्रमुख आंदोलनकारी – गोविन्द गिरि, मोतीलाल तेजावत, कालीबाई।

संदर्भ पुस्तकें :

1. राजस्थान में किसान एवं आदिवासी आंदोलन, डॉ. बृजकिशोर शर्मा, राज. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
2. गोविंद गिर व उनका आंदोलन, एल.पी. माथुर, जयपुर
3. राजस्थान का इतिहास, गोपीनाथ शर्मा, जयपुर
4. आधुनिक राजस्थान का इतिहास, एम.एस. जैन, जयपुर
5. राजस्थान थ्रू दी एजेज, एम.एस. जैन, बीकानेर
6. प्रोटेस्ट मूवमेंट वह भील, एल.पी. माथुर, जयपुर
7. भगवती लाल जैन, स्वतंत्रता संग्राम में साधु गोविंद गिरी और भगत आन्दोलन का योगदान, उदयपुर
8. इंडियन फ्रीडम स्ट्रगल एण्ड मास मूवमेण्ट, बृजकिशोर शर्मा, जोधपुर
9. सोशियल एण्ड पॉलिटिकल अवेकनिंग अमोंग दी ट्राईबल ऑफ राजस्थान, सं. जी. एन. शर्मा, जयपुर

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

प्रश्नपत्र VII : RAJ B04 राजस्थान का जैन साहित्य

Course Category : ECC

अवधि : 3 घंटे | पूर्णांक : 100 | क्रेडिट : 6

नोट : प्रश्नपत्र में तीन भाग होंगे। प्रथम भाग 20 अंकों का होगा जिसमें 10 अनिवार्य अति लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 2 अंको का होगा जिसका उत्तर 20 शब्दों में देना होगा। द्वितीय भाग भी 20 अंकों का होगा जिसमें 4 अनिवार्य लघूत्तरात्मक प्रश्न होंगे; प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का होगा जिसका उत्तर 100 शब्दों में देना होगा। तृतीय भाग 60 अंकों का होगा और तीन इकाइयों में विभक्त होगा। प्रत्येक इकाई में से 2 निबन्धात्मक/आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा और कुल तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

इकाई – प्रथम

राजस्थान का जैन साहित्य – आरम्भ एवं विकास, प्रबन्ध, मुक्तक। प्रमुख ग्रंथ भण्डार – जैसलमेर, नागौर, जयपुर।

इकाई – द्वितीय

प्रमुख विधाएं – चर्चरी, फागु, गुर्वावली, रास, चौपाई, बारहमासा, धमाल, विवाहलो, कक्का, मात्रिका, स्तुति, बावनी, छत्तीसी।

इकाई – तृतीय

भट्टारक रत्नकीर्ति एवं कुमुदचन्द्र – व्यक्तित्व एवं कृतित्व,(रत्नकीर्ति – पद संख्या 16, 19, 25, 27 एवं कुमुदचन्द्र – नेमिनाथ का द्वादश मासा)

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्राचीन काव्यों की रूप परम्परा, अगरचन्द नाहटा, भारतीय विद्या मन्दिर शोध संस्थान, बीकानेर
2. राजस्थानी भाषा और साहित्य, डॉ. मोतीलाल मेनारिया, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर
3. भट्टारक रत्नकीर्ति एवं कुमुदचन्द्र व्यक्तित्व एवं कृतित्व, सं. डॉ. कस्तूरचन्द कासलीवाल, श्री महावीर ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

(10)